पीआरएसआई जयपुर चैप्टर द्वारा डॉ. मनोहर प्रभाकर को स्मरणांजलि

वरिष्ठ साहित्यकार, पत्रकार और राजस्थान सरकार के सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के पूर्व निदेशक स्व• डॉ. मनोहर प्रभाकर की पांचवीं पुण्य तिथि के अवसर पर शुक्रवार को उन्हें स्मरणांजलि देने के लिए पब्लिक रिलेशन्स सोसायटी ऑफ इण्डिया (पीआरएसआई) के जयपुर चैप्टर ने स्थानीय यूथ हॉस्टल में एक स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया।जनसम्पर्क गीत लिखने वाले डॉ. प्रभाकर पीआरएसआई जयपुर चैप्टर के संस्थापक अध्यक्ष थे।

जाने-माने पत्रकार श्री त्रिभुवन ने 'मीडिया परिदृश्य : कल, आज और कल' विषय पर रोचक, गवेषणापूर्ण और विचारोत्तेजक व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि मीडिया पर बजार हावी है। जब तक मीडिया का प्रकाशन और प्रसारण केवल विज्ञापनों के बल पर होगा तो मीडिया की स्वतंत्रता की बात बेमानी है। व्याख्यान से पहले डॉ• प्रभाकर के अत्यंत निकटस्थ रहे डॉ• नरेंद्र शर्मा कुसुम ने अपने काव्यात्मक उद्बोधन से उन्हें स्मरण किया। उन्होंने कहा कि डॉ• प्रभाकर साहित्य की सभी विधाओं में प्रवीण थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता राजस्थान सरकार के सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के पूर्व निदेशक डॉ• अमर सिंह राठौड़ ने की। उन्होंने कहा कि डॉ प्रभाकर उदात्त मानवीय गुणों से सम्पन्न उच्चकोटि के साहित्यकार थे।

कार्यक्रम में साहित्यकार डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल ने डॉ• मनोहर प्रभाकर के साथ अपने संस्मरण साझा किए। डॉ. प्रभाकर की सुपुत्री प्रो. सरिता प्रभाकर ने भी अपने पिता को अश्रुपूरित स्मरणांजलि प्रस्तुत की।आयोजन में पीआरएसआई के सदस्यगण के साथ साथ अनेक गणमान्य बुद्धिजीवी और डॉ• प्रभाकर के परिवार जन एवं उनके आत्मीय उपस्थित धे।

पीआरएसआई जयपुर चैप्टर के अध्यक्ष श्री रविशंकर शर्मा ने अतिथियों का स्वागत कर आयोजन की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला। सचिव श्री देवीसिंह नरुका ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन विख्यात रंगकर्मी श्री अशोक राही ने किया।